गौतम बुद्ध महाविद्यालय

सम्बद्ध-सिद्धार्थ विश्वविद्यालय, कपिलवस्तु, सिद्धार्थनगर

पचपेड़वा, सांगठ, संतकबीर नगर (उ.प्र.)

(शिक्षा संकाय)

सामुदायिक जागरूकता कार्यक्रम

सत्र : 20.24.-20.25.

छात्राध्यापक/छात्राध्यापिका का नाम पूजा सिंह

शिक्षण विषय सामुदायिक जागरूकता कार्यक्रम

महाविद्यालय अनुक्रमांक 24463150110023

विश्वविद्यालय द्वारा आवंटित अनुक्रमांक

सामुदायिक जागरूकता कार्य क्रम क्या है?

सामुदायिक जागरूकता का मरव्य कार्य उद्देश्य समुदाय को और अधिक जानकारी देना सतर्क, आत्म -निर्भर तथा योग्य बनाना है कि वे सरकारी संगठनो के साथ मिलकर आपदा की सभी गति विधियों तथा कार्यक्रम मे भागीदारी कर सके।

जागरूकता अभियान क्या है? :-

जागरूकता अभियान प्रातः लोगो की नई सेवाये कार्यक्रमों सुविधाओं या कार्यों से परिचित कराने का पहला कदम है। इसका उद्देश्य एक वांछनीय व्यवहार को बढावा देना, उससे परिचित कराना, टीकाकरण को बढावा देना या सार्वजनिक स्वास्थ्य में सुधार करना है।

सामुदायिक जागरूकता का अर्थ :-

सामुदायिक जन जागरूकता से तात्पर्य है कि समुदाय के सदस्य अपनी समस्याओं, आवश्यकताओं, ससाधनो तथा क्षमताओं के प्रति सचेत होकर अपने बीच मौजूद मुद्दा एंव समस्याओं की पहचान कर उनका समाधान कर सके।

सहभागी आकलन के

फलस्वरूप पहचान किये गये समस्याओं, आवश्यकताओं एवं मुद्दो को ध्यान में रखते हुये सामुदायिक जन-जागरूकता हेतु एक व्यापक अभियान चलाने की आवश्यकता होती है। जिससे कि समुदाय के सदस्य उत्प्रेरित होकर स्वयं सहायता समूह निर्माण एवं अपनी आवश्यकताओ की पूर्ति के लिए अग्रसर हो सके।

प्रत्येक जागरूकता अभियान में स्थानीय विशेषताओं, सांस्कृतिक कार्यक्रम, परम्परा, शैली तथा संसाधनों का समावेश करने की आवश्यकता होती है। जिससे समुदाय इस कार्यक्रम द्वारा प्रेषित सन्देशों में अपने आपको पूरी तरह से जोड़ सके।

सामुदायिक जन-जागरूकता के उद्देश्य :-

1. समुदाय को अपनी अपनी आवश्यकताओं, समस्याओं तथा मुद्दो के प्रति सचेत करने के लिये जन-जागरूकता कार्य-क्रमों की आवश्यकता होती है।

2. समुदाय को अपने संसाधनो तथा क्षमताओ का समुचित उपयोग करने हेतु प्रेरित करने के लिये तथा स्वयं सहायता समूह के गठन के माध्यम से अपनी समस्याओं का समाधान करने हेतु प्रेरित करने के लिये जन-जागरूकता कार्यक्रम की आवश्यकता

होती है।

3. सामुदायिक विकास कार्यक्रमों के नियोजन क्रियान्वयन एवं अनुश्रवण में सहभागिता एवं सहयोग करने के हेतु तथा विभिन्न सामुदायिक विकास कार्यक्रमों के उद्देश्यों एवं अनुक्रियाओ से समुदाय को अवगत कराने के लिये जन - जागरूकता कार्यक्रमों की आवश्यकता होती है।

4. समूह, संघ अथवा संगठन के उद्देश्यों से समुदाय को अवगत कराने के लिये भी जन - जागरूकता कार्यक्रमों की आवश्यकता होती है।

जन - जागरूकता कार्यक्रमों हेतु संचार के कुछ तरीके :—

1. गीत
2. नुक्कड़ - नाटक
3. फ्लैश कार्ड — यह चित्रों की एक श्रंखला होती है जिसमें निर्धारित क्रम दिखाकर सन्देश प्रदर्शित करते हैं। स्त्रोता के समझ एक - एक कार्ड आता जाता है तथा संचार कर्ता प्रत्येक कार्ड के पीछे

लिखे सन्देशो को श्रोताओं के समक्ष प्रस्तुत करता है।

4. पोस्टर प्रदर्शनी
5. दैवार लेखन
6. पूर्व अनुभवों का आदान-प्रदान
7. उपलब्ध साहित्य का उपयोग
8. कठपुतली
9. फिल्म प्रदर्शनी
10. नौटकी
11. जादू का खेल

सामुदायिक जागरूकता कार्यक्रम :-

छात्राध्यापिकाओ ने पोस्टर के जरिए दिया बेटी बचाने बेटी पढ़ाने का सन्देश

गौतम बुद्ध महाविद्यालय पचपेड़वा सांगठ सन्तकबीर नगर बी० एड० की छात्राध्यापिकाओं ने मैदान में सामुदायिक जागरुकता कार्यक्रम शनिवार दिनाँक 12-02-2025 को आयोजित किया। इसमे छात्राध्यापिकाओं ने सांस्कृतिक कार्यक्रम किये तथा पोस्टर के माध्यम से बेटी बचाने को सन्देश दिया। कार्यक्रम मे मुख्य अतिथि महाविद्यालय के बी० एड० विभाग के विभागाध्यक्ष डा० ए० के० पाण्डेय थे। उन्होने कहा कि शिक्षा से जीवन का विकास होता है। समुदाय मे निवास करने वाले बालक - बालिका को शिक्षा का अधिकार होना चाहिए। इसमें किसी भी प्रकार का लैंगिक भेदभाव नही होना चाहिए। बालिकाओं के प्रति किसी भी प्रकार भेदभाव न हो।

कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि :-

आदर्श जनता इण्टर कॉलेज के प्रधानाचार्य श्री एस० के० शुक्ला श्री हरिशचन्द्र यादव, श्री० आर के द्विवेदी आदि उपस्थित थे। विशिष्ट अतिथि एस के शुक्ला प्रधानाचार्य के सम्बोधन के पश्चात छात्राध्यापिकाओ ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुती की। छात्राध्यापिकाओ ने पोस्टर के जरिये लैंगिक भेदभाव दूर करने बेटी बचाने बेटी बढ़ाने पर जोर देकर कन्या भ्रूण हत्या और बेटियो के साथ समाज के होनेवाले भेदभाव

कटाक्ष करके लोगो को जागरुक किया। इस अवसर पर महाविद्यालय के समस्त अध्यापकगढ़ एवं समाज में आये हुए विशेष रूप से जितेन्द्र कुम साहिल, सुशील शाहू, शेखर सोनकर, बबलू सहित बड़ी संख्या में ग्राम वासी भी मौजू

नाटक के जरिये दिया गया लैंगिक समानता पर

छात्राध्यापिकाओं ने शिक्षा पर नाटक की प्रस्तुती देकर लैंगिक समानता पर जोर दिया। और बता कि आज समाज रूढ़िवादी परम्परा की ओर अग्रस है। जो बेटी के जन्म को अभिशाप मानता है। इस कारण गर्भ में बेटियो की मौत हो जाती है। इससे स्त्री लिंगानुपात में कमी आ गई है। बेटी को समाज में खुलकर जीने नही दिया जाता है। शिक्षा के विकास से उन्हे दूर किया जा सकता है।

जागरूकता कार्यक्रम में बड़ी संख्या में स्थानीय स्कूलों तथा गाँवो की छात्राएँ मौजूद रही। और कार्यक्रम में विशेष रूप से प्रभावित भी हुई।

दिन 17 फरवरी वार को सामुदायिक जागरूकता के परिपेक्ष में बी० एड० छात्राध्यापक एवं छात्राध्यापिकाओं द्वारा मतदान जागरूकता कार्यक्रम को ध्यान में रखते हुए रैली का आयोजन किया गया। सर्वप्रथम बी० एड०

विभाग के समस्त छात्राध्यापक एवं ~~छात्रा~~ छात्राध्यापिकायें महाविद्यालय प्रांगण में प्रातः साढ़े आठ बजे तक उपस्थित हुये। पैस्टर, और बैनर के जरिये आस पास के गाँवों में जाकर वृक्षारोपण अभियान, मतदान, जागरूकता अभियान, कोरोना से सम्बंधित जानकारी, टीकाकरण जागरूकता, पर्यावरण तथा जनसंख्या वृद्धि के सन्दर्भ में ग्राम वासियो को जागरूक किया गया। सायं चार बजे महाविद्यालय के छात्र एवं छात्राओं सम सामयिक विषय मद्दान जागरूकता को ध्यान में रखते हुये। नुक्कड़ - नाटक के जरिये ग्रामीणों में ~~म~~ मतदान के महत्व तथा व्यक्ति के अधिकार एवं कर्तव्यों के सन्दर्भ में जानकारी दी। नुक्कड - नाटक के जरिये आगामी चुनाव को देखते हुए प्रत्येक नागरिको को मताधिकार का प्रयोग करने के लिये जागरूक किया गया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के विभागाध्यक्ष सहित अन्य समस्त प्रधानआध्यापक गण उपस्थित रहे। गाँव के कुछ प्रमुख वर्ग जैसे — हीरा मणि, आसुतोष, रहमान अली, संजय शुक्ला, बबलू, मसलाहुद्दीन. अभय शुक्ला एवं रमाकांत तिवारी आदि उपस्थित रहे।

इस अवसर पर डा० डी० के मिश्रा द्वारा - सामुदायिक जागरूकता के सन्दर्भ में कहा गया कि महाविद्यालयो द्वारा साप्ताहिक कार्यक्रमों के अन्तर्गत श्रमदान, स्वच्छता एवं सफाई, वृक्षा रोपण आदि का कार्यक्रम निश्चित रूप से होना चाहिए। जिससे समस्त लोग जागरूक हो सके।

अन्त के कार्यक्रम का समापन आदर्श जनता इण्टर के प्रधानाचार्य श्री एस० के शुक्ला के सम्बोधन में समाप्त हुआ। प्रधानाचार्य एस० के शुक्ला ने इस अवसर पर 22 मार्च विश्व जल दिवस के बारे में लोगो को समझाया और कहा कि जल व्यक्ति की मूलभूत आवश्यकताओ में से एक है। जल के बिना मानव का जीवन असम्भव है। अतः समस्त जीवधारियों के लिये जल अत्यन्त आवश्यक है।

"जल ही जीवन है"

अतः हमे जल का समुचित प्रयोग करना चाहिये इस बारे में जल के समुचित उपयोग हेतु लोगो को जागरूक किया गया। और कहा गया कि आगामी 22 मार्च सन् 2025 को बी० एड० के छात्राध्यापक एवं छात्राध्यापिकाओं द्वारा विश्व जल दिवस पर महाविद्यालय में कार्यक्रम का आयोजन किया जाना है जिसकी तैयारी छात्र अभी से प्रारम्भ करदे। जिससे समुदाय के लोग जागरूक हो सके।